पुरी हेरिटेज कॉरिडोर

'हेरिटेज कॉरिडोर' प्रस्ताव के खिलाफ अदालत में एक जनहित याचिका दायर की गई है, जिसमें 'पुरी के जगन्नाथ मंदिर' की संरचनागत सुरक्षा पर इसके प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त की गयी थी।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) के अनुसार, ओडिशा राज्य सरकार द्वारा 'स्मारकों के संरक्षित और नियंत्रित क्षेत्रों' में उचित लाइसेंस के बिना 'पुरी हेरिटेज कॉरिडोर' (Puri heritage corrido) का निर्माण किया जा रहा है जिसके कारन एक बार फिर से यह परियोजना चर्चा का विषय बानी हुई है।

पुरी हेरिटेज कॉरिडोर क्या है?

- वर्ष 2016 में परिकल्पित, पुरी हेरिटेज कॉरिडोर परियोजना का उद्देश्य धार्मिक शहर 'पुरी' को एक अंतरराष्ट्रीय धरोहर स्थल में रूपांतरित करना है।
- पुरी हेरिटेज कॉरिडोर परियोजना, पुरी को विश्व स्तरीय विरासत शहर के रूप में विकसित करने के लिए बुनियादी सुविधाओं और विरासत और वास्तुकला के विकास (ABADHA) योजना के विस्तार का एक हिस्सा है।
- पुरी हेरिटेज कॉरिडोर परियोजना के तहत , 22 अलग-अलग परियोजनाओं को विभिन्न चरणों में लागू किया जाएगा।
- पुरी (ABADHA) योजना में ओडिशा राज्य सरकार की बुनियादी सुविधाओं और विरासत और वास्तुकला के विकास के विस्तार के बाद, 800 करोड़ रुपये का प्रारंभिक वित्तपोषण प्रदान किया गया है, जिसमे पहले चरण में अतिरिक्त 265 करोड़ रुपये का योगदान दिया गया है।
- श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) प्रस्तावित परियोजना के तहत निम्नलिखित संरचनाओं का निर्माण करेगा:
    - एक 600 क्षमता वाला श्रीमंदिर स्वागत केंद्र
    - जगन्नाथ सांस्कृतिक केंद्र
    - रघुनंदन पुस्तकालय
    - एक एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र
    - बडाडांडा हेरिटेज स्ट्रीटस्केप
    - श्रीमंदिर सुविधाएं
    - श्री सेतु
    - जगन्नाथ बल्लव तीर्थ केंद्र
    - बहुस्तरीय कार पार्किंग

- नगरपालिका बाजार विकास
- स्वर्गद्वार विकास
- प्रमोद उद्यान

'जगन्नाथ पुरी मंदिर':

- जगन्नाथ पुरी मंदिर ओडिशा के तटवर्ती शहर 'पुरी' में स्थित, भगवान् श्रीकृष्ण के एक स्वरूप 'जगन्नाथ' को समर्पित, वैष्णव संप्रदाय का एक महत्वपूर्ण मंदिर है।
- जगन्नाथ पुरी मंदिर का निर्माण 12 वीं शताब्दी में पूर्वी गंग राजवंश के राजा अनन्तवर्मन चोडगंग देव द्वारा करवाया गया था।
- जगन्नाथ पुरी मंदिर को 'यमनिका तीर्थ' (Yamanika Tirtha) भी कहा जाता है, क्योकि हिंदू मान्यताओं के अनुसार, भगवान जगन्नाथ की उपस्थिति के कारण 'पुरी' में मृत्यु के देवता 'यम' की शक्ति समाप्त हो जाती है।
- जगन्नाथ पुरी मंदिर को "श्वेत देवालय" या "सफेद पैगोडा" के रूप में भी जाना जाता है और यह मंदिर 'चार धाम तीर्थ' (बद्रीनाथ, द्वारका, पुरी, रामेश्वरम) का एक भाग भी है।
- जगन्नाथ पुरी मंदिर, अपनी वार्षिक रथ यात्रा या 'रथ उत्सव' के लिए प्रसिद्ध है। इस रथ-यात्रा में में तीन मुख्य देवताओं को विशाल और विस्तृत रूप से सजाए गए मंदिर के आकार में निर्मित रथों पर बिठाकर यात्रा कराई जाती है,तथा इन विशाल रथों को भक्तों द्वारा खींचा जाता है।